हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 55 | देहरादून, रविवार, 14 अगस्त, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

चंपावत में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय का हुआ उद्घाटन, तिरंगा यात्रा में शामिल हुए सीएम धामी 3

शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान, देश के कोने-कोने तक फहराया गया तिरंगा

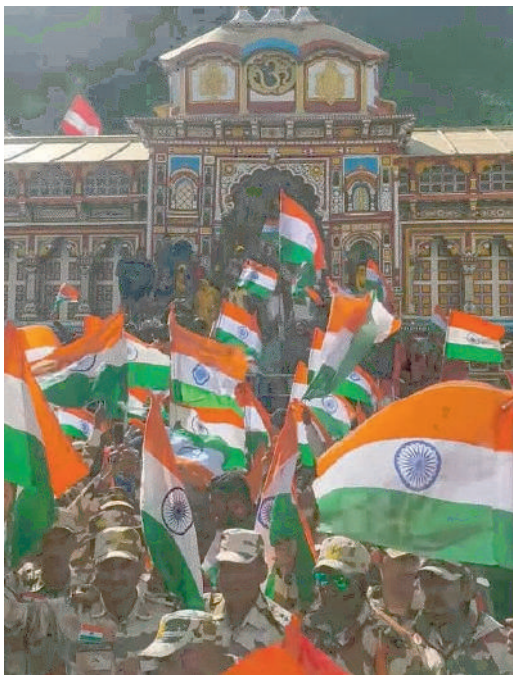

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सरकार स्वतंत्रता दिवस को खास बनाने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान चला रही है। यह अभियान 13 अगस्त से 15 अगस्त तक चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि 13 से 15 अगस्त तक सभी देशवासी आजादी के इस अमृत पर्व पर अपने घरों में तिरंगा फहराएं.

भारत अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। आजादी के इस अमृत पर्व में 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है. आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सरकार स्वतंत्रता दिवस को खास बनाने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान चला रही है। यह अभियान 13 अगस्त से शुरू होकर 15 अगस्त तक चलेगा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से अपील की है कि आजादी के इस अमृत पर्व पर सभी देशवासी अपने घरों में तिरंगा फहराएं.

लोग अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर तिरंगा झंडा फहराएंगे. देश में 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरुआत हो गई है. अभियान के तहत, उत्तराखंड में इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (ITBP) के जवानों ने

सुबह 14 हजार फीट की ऊंचाई पर तिरंगा फहराया है.

उत्तराखंड के बदरीनाथ धाम में इंडो तिब्बतन बॉर्डर पुलिस के जवान और श्रद्धालुओं ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा फहराए. लद्दाख में भी इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (ITBP) के जवानों ने 18,400 फीट की ऊंचाई पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया है. आईटीबीपी की ओर से इसको लेकर वीडियो भी जारी किया है.

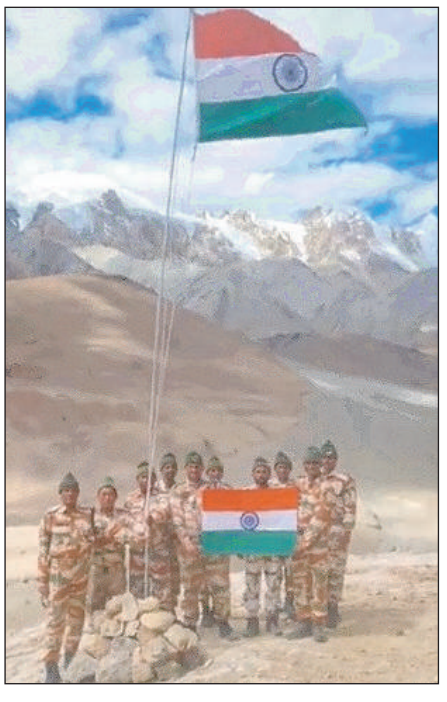

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने तिरंगा साइकिल यात्रा को किया रवाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर गढ़वाल मंडल विकास निगम

द्वारा आयोजित तिरंगा साइकिल यात्रा को रवाना किया।प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने आज़ादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर शनिवार को प्रातः होटल द्रोण से गढ़वाल मंडल विकास निगम द्वारा आयोजित तिरंगा साइकिल यात्रा को रवाना किया। मंत्री सतपाल महाराज ने राष्ट्र के प्रति अपने प्रेम और जज़्बे को प्रदर्शित करने के लिए साइकिल यात्रा में प्रतिभाग करने वाले सभी लोगों को बधाई देते हुए हर घर तिरंगा अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का भी सभी से अनुरोध किया। उन्होने आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ को भव्य रुप से मनाने के साथ साथ सभी से अपने अपने घरों पर तिरंगा फहराने का भी आह्वान किया।

क्या आपको पता है पहले यूरोपीय लोग टमाटर खाने से डरते थे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

विद्वानों का मानना है कि हर्नान कोर्टेस ने 1519 में बीजों को बगीचे में सजावटी रूप से इस्तेमाल किए जाने वाले फलों के इरादे से लाया था। 1700 के दशक तक, अभिजात वर्ग ने टमाटर खाना शुरू कर दिया था, लेकिन उन्हें यकीन था कि फल जहरीले थे क्योंकि लोग उन्हें खाने के बाद मर जाएंगे। वास्तव में, टमाटर की अम्लता ने उनकी पेवर प्लेटों में सीसा निकाला, और वे वास्तव में सीसा विषाक्तता से मर गए।

15वीं शताब्दी में टमाटर यूरोप पहुंचे। लेकिन, अगले दो साल तक यहां के लोग इसे खाने से डरते थे। क्योंकि यहां के लोग इसे जहरीला मानते थे। यही कारण था कि यूरोप में टमाटर को 'जहर वाला सेब' कहा जाता था। इसके कई कारण थे, जैसे अमीर लोगों ने टमाटर खाया और मर गए। बाद में पता चला कि मौत का कारण फैंसी जिंक प्लेट्स था।

इन प्लेटों में लेड की मात्रा अधिक थी। टमाटर में एसिडिटी होती है। ऐसे में जब टमाटर को जिंक की प्लेट में रखा जाता तो वह उसमें से सीसा निकाल देता। नतीजतन, टमाटर खाने वाले लोग मर जाते और मौत का दोष टमाटर के सिर पर था। 188 में नेपल्स में पिज्जा की खोज के बाद, पूरे यूरोप में टमाटर की लोकप्रियता बढ़ी।उस दौर के एक डॉक्टर जेरार्ड ने टमाटर के तनों और पत्तियों से आने वाली भयानक गंध के कारण पूरे पौधे को बदबूदार बताया था। टमाटर को लेकर जेरार्ड का भ्रम ब्रिटेन और ब्रिटेन के उत्तरी अमेरिकी उपनिवेशों में 20 साल तक सच रहा। उस दौर के वैज्ञानिकों ने भी टमाटर को जहरीले पौधों की श्रेणी में रखा था। टमाटर के अंदर डरावने दिखने वाले कीड़े लग जाते थे।

यह भी लोगों में दहशत फैलाने का एक कारण बना। हालाँकि, आज टमाटर दुनिया के हर देश में खाया जाता है और दुनिया भर में हर साल 1.5 बिलियन से भी ज्यादा टन टमाटर का उत्पादन होता है।

क्या आपको पता है माउंट एवरेस्ट से भी ऊंची उड़ान भर सकती हैं मधुमक्खियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नेशनल ज्योग्राफिक के अनुसार, मधुमक्खियां समुद्र तल से 29,525 फीट ऊपर उड़ सकती हैं। यह दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट से भी ऊंचा है। अध्ययन में पाया गया है कि भौंरा माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई तक उड़ने में सक्षम हैं

रिसर्च में पाया गया कि अल्पाइन भौंरा (alpine bumblebee) उनतीस हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर उड़ने में सक्षम हैं - माउंट एवरेस्ट से भी अधिक। जर्नल बायोलॉजी लेटर्स में प्रकाशित अपने पेपर में, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और स्मिथसोनियन ट्रॉपिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट के क्रमश माइकल डिलन और रॉबर्ट डुडले, दबाव कक्षों में अल्पाइन भौंरों के साथ किए गए प्रयोगों और उनके सिद्धांतों का वर्णन करते हैं कि मधुमक्खियों के पास ऐसा क्या है जो उन्हें ऊंचा उड़ने की क्षमता देता है।

ये माना जाता है मधुमक्खियां सबसे अच्छे उड़ने वाले नहीं हैं, बेशक, वे चारों ओर ज़िग-ज़ैग कर के उड़ सकते हैं और फूल से फूल तक कूद सकते हैं, पर वे पक्षियों या कई अन्य कीड़ों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकते हैं। लेकिन फिर भी वे कुछ उल्लेखनीय करने में सक्षम हैं—अत्यंत ऊंचाई पर उड़ना। इस उल्लेखनीय क्षमता की खोज के लिए, डिलन और डुडले ने सिचुआन, चीन के पहाड़ों की यात्रा की एक बार वहाँ उन्होंने अल्पाइन भौंरों के कई नमूने लिए जो सामान्य रूप से 10,000 फीट से अधिक की ऊँचाई पर रहते और उड़ते हैं। वे मधुमक्खियों (एक समय में एक) को एक दबाव कक्ष में डालते हैं और फिर विभिन्न ऊंचाइयों का अनुकरण करने के लिए हवा को पंप करते हैं। ऐसा करने में उन्होंने पाया कि दो मधुमक्खियां कक्ष में चारों ओर उड़ने में सक्षम थी, जो कि 29,527 फीट की नकल करती थीं।

यह पता लगाने के लिए कि भौंरों (alpine bumblebee) ने यह कैसे किया, शोधकर्ताओं ने उड़ानों के डिजिटल वीडियो को रिकॉर्ड किया और उनका विश्लेषण किया। उन्होंने नोट किया कि नकली ऊंचाई बढ़ने के साथ-साथ मधुमक्खियां अपने पंख तेजी से नहीं फड़फड़ातीं। इसके बजाय, उन्होंने अपने ₹stroke amplitude₹ को बढ़ा दिया -- - विंग के प्रत्येक बीट के साथ थोड़ा आगे तक पहुंचना।

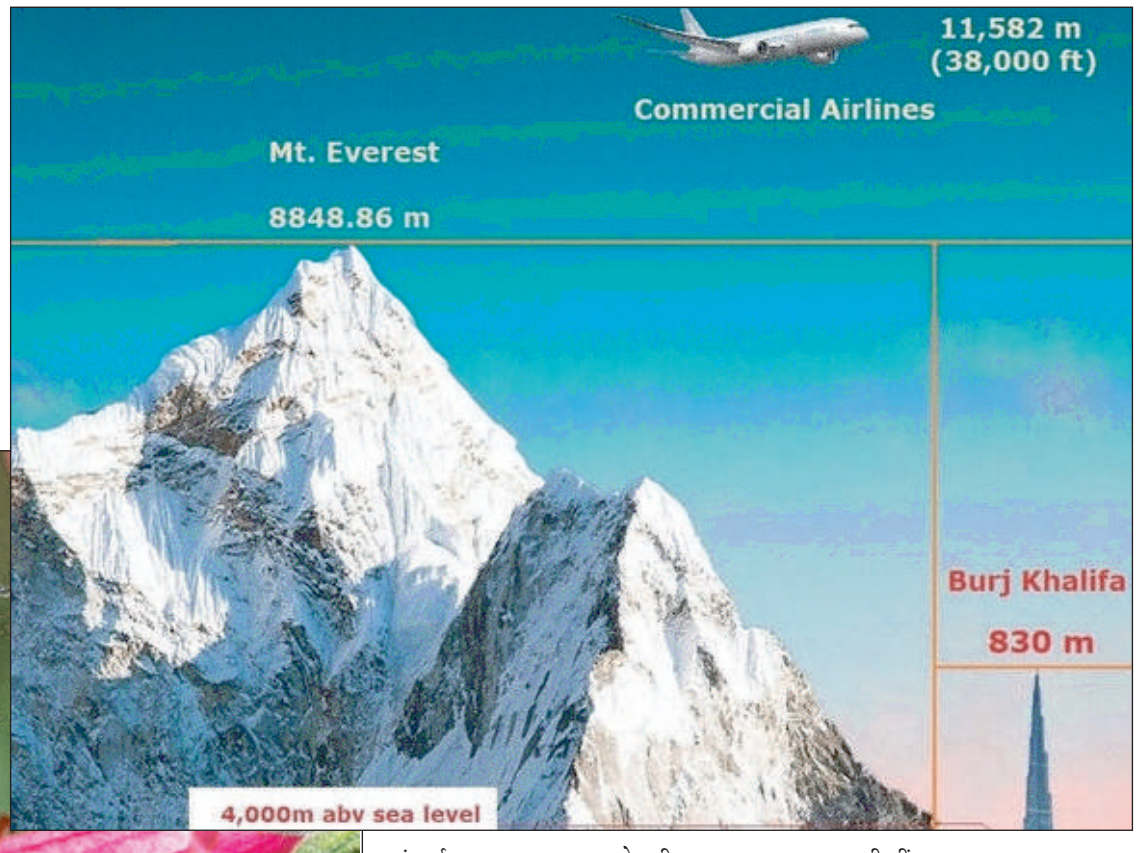

केदारनाथ धाम में दिखा तिरंगा रैली से देशभक्ति का जोश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के नेतृत्व एवं निर्देशन में आम जनमानस को अपने घरों में तिरंगा फहराने के लिए जागरूक किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में आज बाबा केदारनाथ धाम में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन व मन्दिर समितिने कार्यक्रम आयोजित कर केदारनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों एवं केदारनाथ धाम मे यात्रा व्यवस्था में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों तीर्थ पुरोहितों व्यापारियों द्वारा मानव श्रृंखला बनाकर कर तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ केदारनाथ मंदिर परिसर से किया गया। तिरंगा रैली कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हर घर तिरंगा फहराये जाने के लिए जनपद वासियों सहित प्रदेश वासियों को जागरूकता संदेश दिया गया जिससे सभी लोग इस राष्ट्रीय पर्व में शामिल होकर अपने घरों में तिरंगा अवश्य फहराये।

जिला मुख्यालय रुद्रप्रयाग में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में सरस्वती विद्या मंदिर के छात्र छात्राओं ने नगर में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायती राज विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों द्वारा अपने घरों में तिरंगा लगाने के लिए तिरंगा झंडा उपलब्ध कराने के साथ साथ लोगों को सभी घरों मे 13 से 15 अगस्त तक राष्ट्रीय ध्वज लगाये जाने के लिए जागरूक किया गया।

चंपावत में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय का हुआ उद्घाटन, तिरंगा यात्रा में शामिल हुए सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गौरल चौड़ मैदान मार्ग, चंपावत में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय, का विधिवत पूजा अर्चना कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा की कैंप कार्यालय खुलने से चंपावत व आस पास के क्षेत्र की जनता की समस्याओं का समाधान जल्द होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष वन विकास निगम कैलाश चन्द्र गहतोड़ी, अध्यक्ष जिला पंचायत ज्योति राय, श्रीमती गीता धामी, जिलाध्यक्ष भाजपा दीप पाठक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

इसी के बाद मुख्यमंत्री धामी ने चंपावत में टी.आर.सी चंपावत से गोरल चौड़ मैदान तक आयोजित तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग किया। इस यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय जनता

और अध्यक्ष वन विकास निगम कैलाश चन्द्र गहतोड़ी, जिलाध्यक्ष भाजपा दीप पाठक, भाजयुमो जिला अध्यक्ष मोहित पाठक, बडी संख्या में महिलाएं एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

जल संचय
जीवन संचय

उत्तराखंड जल संस्थान

राज्य की जनता को निरन्तर, पर्याप्त, स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के मूल उद्देश्य की प्राप्ति के लिये विभाग सतत प्रयासरत् है।
कतिपय नगरों /क्षेत्रों में दूषित जलापूर्ति के समाचार प्रकाशित होते हैं। इस सम्बन्ध में नागरिकों से अनुरोध है कि निम्नानुसार सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

- पेयजल एवं सीवर से सम्बन्धी शिकायत के लिए "शिकायत निवारण केन्द्र" टोल फ्री नं0 1800—180—4100 से सम्पर्क करें।
- समस्या का कारण मुख्यतः पाइप लाईन में लीकेज है जो जल संस्थान की पाईप के साथ—साथ अधिकांश उपभोक्ताओं के कनैक्शन के ऐसे पाईप हैं जो नाली/आदि के अन्दर/बीच से गुजरते हैं। अपने आस—पास लगे पाईपों की लीकेज पर विशेष ध्यान दें एंव छोटी से छोटी लीकेज की सूचना जल संस्थान के क्षेत्रीय कार्यालय/मुख्यालय को दें।
- विभागीय कर्मचारियों द्वारा जाँच के समय यदि व्यक्तिगत कनैक्शन के पाईप में लीकेज पाई जायेगी तो बिना अन्य नोटिस के तत्काल कनैक्शन बन्द कर दिया जायेगा और अर्थदण्ड लिया जा सकता है।
- प्रदूषण की समस्या का अन्य प्रमुख कारण लाईन पर सीधे टुल्लू पम्प लगाना है। पम्प लगाने से लीकेज वाले स्थानों पर भरा गन्दा पानी पाईप लाइन में प्रवेश कर जाता है और प्रदूषण की समस्या उत्पन्न होती है।
- यदि देखने में पानी स्वच्छ न हौ अथवा उसमें अशुद्धियों के कण दिखायी दें अथवा बदबू हो तो क्लोरीन टेबलेट को प्रयोग में लायें। प्रायः जलापूर्ति के आरम्भ में थोड़ी देर गन्दा पानी आने की शिकायत रहती है बाद में पानी स्वच्छ हो जाता है। स्वच्छ पानी एकत्रित करें।

इसके अतिरिक्त हम आपकी सेवा बेहतर कर सकें, इसके लिये हम आपसे निम्न निवेदन करते है:—

1. पेयजल अमूल्य है, कृपया इसका सदुपयोग करें।
2. पेयजल की बरबादी तथा अवैधानिक उपयोग किसी अन्य को प्यासा रख सकता है, अतः कृपया ऐसा न करें।
3. विभाग को देयको का समयान्तर्गत भुगतान कर पेयजल व्यवस्था में सहयोग करें।

आजादी का अमृत महोत्सव पर व्यापारियों ने तिरंगा रैली निकाली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून शहर के प्रतिष्ठित व्यापारियों ने आज़ादी पर्व पर जोश और जज़्बे से भरी विशाल तिरंगा रैली निकाली। देश के सम्मान के प्रति समर्पित तिरंगा रैली राष्ट्रीय व्यापार मंडल की उत्तराखंड इकाई के प्रदेश अध्यक्ष लच्छू गुप्ता तथा प्रदेश महामंत्री डी डी अरोड़ा की अगुवाई में निकाली गई और व्यापारियों ने देश प्रेम के नारे लगाते हुए बिंदाल पुल से यमुना कालोनी, किशन नगर चौक, होते हुए पुनः बिंदाल पुल पर ही इस तिरंगा यात्रा का समापन हुआ। इस तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग करते हुए एवं सहयोग करते हुए राजेंद्र नगर व्यापार संघ के व्यापारियों तथा शहर के अलग-अलग क्षेत्र से आए व्यापारियों ने प्रतिभाग किया।

व्यापार मंडल के महानगर अध्यक्ष राहुल अग्रवाल, महानगर महामंत्री नितिन जैन, संगठन महामंत्री राजकुमार तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप विनायक,सचिन जैन प्रदेश मंत्री राहुल चौहान,मीडिया प्रभारी मधु जैन, अमन गुप्ता, सरिता कोहली, सुनील कोहली,रेखा निगम,एस पी सिंह नवीन नोटियल नजीम राठी अजय कुमार, विकास अरोड़ा नवीन आशीखान नौटियाल अचल अग्रवाल तस्लीम अहमद, मयंक गुप्ता, हरीश गुप्ता, आदि कई व्यापारियों ने बढ़ चढ़कर आजादी के अमृत महोत्सव तिरंगा रैली में हिस्सा लिया और सभी व्यापारियों ने एक सुर मे आश्वस्त किया की प्रधानमंत्री मोदी के साथ व्यापारी देश के प्रति पूर्णरूपेण समर्पित है और सभी प्रकार की सेवा करने के लिए सदैव आपके साथ खड़े हैं और भविष्य में भी खड़े हुए मिलेंगे।

ऋषिकेश में हर घर लहराता तिरंगा जगा रहा देशप्रेम की भावना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी के अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर हर घर तिरंगा , स्वतंत्रता दिवस एवं मतदाता सूची को आधार से लिंक करने के संबंध में राजकीय इंटर कॉलेज आईडीपीएल ऋषिकेश में कार्यशाला का आयोजन किया गया , वहीँ राजकीय पीजी कॉलेज ऋषिकेश में आजादी के अमृत महोत्सव के शुभ अवसर पर हर-घर तिरंगा स्वतंत्रता दिवस एवं मतदाता सूची को आधार से लिंक करने के संबंध में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर गुलशन कुमार ढींगरा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक के संयोजक डॉ मेंदोला , श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ भट्ट , परीक्षा नियंत्रक, विश्वविद्यालय की अनेक प्रोफेसर एवं फैकल्टी तथा विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

एसबीआई बैंक ने शुरू की यह नई सेवा, जानिए और उठाएं फायदा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अगर बैंकों की बात करें तो देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने न सिर्फ डिजिटलाइजेशन को अपनाया है, बल्कि अब एसबीआई अपने ग्राहकों को एक और नई सुविधा देने जा रहा है। इसके तहत एसबीआई के बचत खाताधारकों और क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को अब व्हाट्सएप बैंकिंग की सुविधा मिल रही है। अब स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के ग्राहक व्हाट्सएप के जरिए अपने अकाउंट का बैलेंस और अकाउंट का मिनी स्टेटमेंट चेक कर सकते हैं। इसके साथ ही, एसबीआई क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ता व्हाट्सएप के माध्यम से अपने क्रेडिट कार्ड खाते का अवलोकन, प्राप्त पुरस्कार, बकाया राशि और अन्य जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इस बात की जानकारी एसबीआई ने अपने ट्विटर हैंडल पर दी है।

व्हाट्सएप के जरिए की जा सकती है बैंकिंग

एसबीआई बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए व्हाट्सएप बैंकिंग सेवा शुरू की है। ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैंकिंग सेवा शुरू की गई है।एसबीआई के ग्राहक व्हाट्सएप बैंकिंग के जरिए आसानी से अपना बैंक बैलेंस चेक कर सकते हैं। वे इस व्हाट्सएप बैंकिंग के माध्यम से मिनी स्टेटमेंट भी देख सकते हैं और इसे व्हाट्सएप पर प्राप्त कर सकते हैं।

एसबीआई व्हाट्सएप नंबर क्या है

एसबीआई ने व्हाट्सएप बैंकिंग के लिए अपना नया बैंकिंग सर्विस नंबर जारी किया है। आप अपने मोबाइल में एसबीआई व्हाट्सएप सर्विस नंबर +919022690226 सेव कर सकते हैं।इस सेवा का लाभ उठाने के लिए आपको खुद को पंजीकृत कराना होगा। आप व्हाट्सएप बैंकिंग सेवा का उपयोग तभी कर सकते हैं जब आप इसके साथ खुद को पंजीकृत करवाएं।

अपना पंजीकरण कैसे करें

ऐसा करने के बाद आप एसबीआई व्हाट्सएप सर्विस के लिए रजिस्टर हो जाएंगे। रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद आपको एसबीआई के व्हाट्सएप चैट बॉक्स में 'HI' लिखकर भेजना होगा। इससे आपके मोबाइल पर सर्विस मेन्यू आ जाएगा। अब आप एसबीआई की व्हाट्सएप सर्विस का इस्तेमाल किसी भी चीज के लिए कर सकते हैं।

तिंरगा शांति, समृद्धि और विकास की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है : ऋतू खंडूड़ी

महविश की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश की आजादी एवं उसकी आन बान और शान का प्रतीक तिरंगा झंडा राष्ट्र के प्रति सम्मान और देश भक्ति की भावना को जाग्रत करने के उद्देश्य से देश में हर घर तिंरगा अभियान चलाया जा रहा है । इसी कड़ी में आजादी के महोत्सव पर कोटद्वार में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण की अगुवाई में तिरंगा पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान पूर्व सैनिक, शिक्षकों, डॉक्टर, अधिकारियों, कार्यकर्ताओं, स्कॉट गाइड, स्कूल के बच्चों एवं हजारों की संख्या में स्थानीय लोगों ने भारत माता की जय व वंदे मातरम् के उद्घोष तिरंगा जागरूकता पदयात्रा निकाली और हर घर तिरंगा फहराने की अपील की।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत कोटद्वार में संगम रिसोर्ट, देवी मंदिर से मालवीय उद्यान तक तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया, पद यात्रा मालवीय उद्यान में समाप्त हुई जहा पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस पदयात्रा के के दौरान प्रत्येक व्यक्ति के मन में तिरंगे के लिए सम्मान एवं जज्बा दिखाई दे रहा था। भारत माता के नारों से पूरा कोटद्वार क्षेत्र गुंजायमान हो बैठा। महिला, पुरुष, बुजुर्ग एवं बच्चों ने पैदल चल कर घर-घर तिरंगा लगाने के लिए लोगों को जागरूक किया। इस दौरान स्कूल के बैंड पर देशभक्ति गीतों के साथ प्रत्येक व्यक्ति आजादी के इस उत्सव पर झूम रहा था।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि तिरंगा झंडा जिस शान से लहराता है उसे देखकर हर भारतवासी का ह्रदय भावों से भर जाता है। देश के प्रति समर्पण और प्रेम का संचार मन में होता है।

यह तिरंगा झंडा ही है जिसको देखकर सैनिक सीमा पर पूरे साहस के साथ तैनात रहते हैं और दुश्मनों के छक्के छुड़ाते रहते हैं। अपनी जान की भी परवाह नहीं करते ऐसा अदम्य साहस भारतीय तिरंगा के दम पर ही सैनिकों के भीतर पैदा होता है। उन्होंने कहा की आमजन के मन में राष्ट्रीयता की भावना का संचार तिरंगा के माध्यम से हो रहा है। आंखों के लिए सामने लहराता राष्ट्रीय तिरंगा और मन में देश के लिए कुछ कर गुजरने का संकल्प भारत को नया भारत बना रहा है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज 21वीं सदी के इस दौर में विकास मंत्र बन गया है।

तिरंगा पदयात्रा के प्रारंभ होने से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने सिद्धबली बाबा के मंदिर पहुंचकर माथा टेका एवं पूजा अर्चना कर आजादी के अमृत महोत्सव पर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। साथ ही मंदिर परिसर में तिरंगा भी लहराया।

उधमसिंहनगर में डीएम युगल किशोर पंत की अगुवाई में निकली तिरंगा यात्रा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर कलेक्ट्रेट से हर घर तिरंगा अभियान के अन्तर्गत जिलाधिकारी युगल किशोर पंत एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी की अगुवाई में तिरंगा यात्रा निकाली गयी। तिरंगा यात्रा कलेक्ट्रेट से प्रारम्भ होकर नैनीताल हाईवे से डीडी चौक-सिविल लाईन होते हुए निकाली गयी जिसका समापन गांधी पार्क में किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे है। उन्होने कहा कि आज हर-घर तिरंगा अभियान की शुरुआत है, इस अवसर पर तिरंगा यात्रा निकाली गयी है ताकि आमजन में देशभक्ति की भावना जागृत हो और हर घर तिरंगा अभियान में सभी लोग प्रतिभाग कर अपने घरों एवं कार्यालयों में तिरंगा लगाये। उन्होंने कहा कि आने वाले 25 साल बहुत महत्वपूर्ण हैं, जिसमें हमें विश्व महाशक्ति के रूप में उभरना है। जिसके लिए हम सभी देशवासियों को देश भक्ति भावना के साथ अपना-अपना योगदान देना होगा।

इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है। उन्होने बताया कि जनपद मुख्यालय के निकटतम के समस्त थानों से पुलिस फोर्स, विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राऐं एवं एनसीसी कैडेट ने तिरंगा यात्रा में प्रतिभाग किया। उन्होने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने में अधिक से अधिक लोग प्रतिभाग करें। उन्होने कहा कि देशभक्ति की भावना हमस ब मे होनी चाहिए और इस भावना को हमें अपने कार्यशैली में शामिल करनी चाहिए। उन्होने कहा कि आगामी 25 वर्षों में भारत देश को सुपर पावर बनाने में सभी अपना योगदान दें।

कार्यक्रम के समाप्ति पर जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने विभिन्न विद्यालयों से आये छात्र-छात्राओं को स्वंय जलपान वितरित कर सभी को आजादी अमृत महोत्स्व एवं स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी डॉ0 ललित नारायण मिश्र, जय भारत सिंह, एएसपी मनोज कत्याल, अभय सिंह, उपजिलाधिकारी प्रत्युष सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी आरसी त्रिपाठी, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी उमाशंकर नेगी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

मंत्री रेखा आर्या ने निकाली तिरंगा जनजागरण पदयात्रा

आशीष तिवारी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः आजादी के अमृत महोत्सव की 75 वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने तिरंगा जनजागरण यात्रा के तहत पदयात्रा निकाली। मंत्री रेखा आर्या ने कचहरी स्थित शहीद स्मारक पहुंचकर सर्वप्रथम शहीदों को श्रद्धा सुमन और उनकी मूर्तियों पर माल्यार्पण किया। तद्पश्चात सभी लोगो को आजादी के अमृत महोत्सव में हर घर तिरंगा अभियान को बढ़चढ़कर मनाये जाने की सभी से अपील के साथ अपनी पदयात्रा को शुरू किया।

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या की तिरंगा जनजागरण पदयात्रा में राजपुर विधायक खजानदास सहित विभागीय अधिकारी,कर्मचारी और बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं युवाओं ने हिस्सा लिया। लगभग 3 किलोमीटर की इस पदयात्रा में देशभक्ति के गीतों पर लोग जमकर झूमे जिससे सभी का उत्साह देखते ही बन रहा था। देशभक्ति के गीतों से शुरू हुई यह पदयात्रा रेसकोर्स पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर सम्पन्न हुई। रैली का जगह-जगह पुष्प मालाओं के साथ आम जनों ने स्वागत किया।

मंत्री रेखा आर्या ने झंडे के तीनों रंगों की व्याख्या करते हुए बताया कि केसरिया रंग हमे बताता है कि हम साहसी हो ,सफेद रंग हमें यह बताता है कि देश मे सत्यता और शांति कायम है साथ ही हरा रंग हरियाली का ,सुख समृद्धि का देश की खुशहाली के प्रतीक के रूप में हमे भान कराता है।इसके साथ ही मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि आजादी के 75वें वर्ष पर अमृत महोत्सव के रूप में आजादी का जश्न मनाया जा रहा है। आजादी के बाद इस स्वतंत्रता दिवस पर हर जगह विशेष खुशियां मनाई जा रही है। प्रत्येक नागरिक देश की आजादी का जश्न मना रहा है। अमृत महोत्सव के रूप में आजादी के जश्न को मनाने के लिए तिरंगा यात्रा द्वारा जनजागरण अभियान पूरे देशभर में चलाया जा रहा है।इस अवसर पर मंत्री रेखा आर्या ने महात्मा गांधी के चरखे के समीप बैठकर सभी के साथ 'रघुपति राघव राजा राम,पतित पावन सीता राम भजन व वंदे मातरम गाकर देश को आजादी दिलाने में अहम योगदान देने वाले शहीदों को याद किया। कार्यक्रम में आये सभी लोगों से हर घर तिरंगा मुहिम को पूर्ण करने पर जोर दिया, साथ ही सभी जनमानस को तिरंगे झंडे भी वितरित किये।इस अवसर पर विधायक खजानदास ने कहा कि आज हम सब

आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं जिसके तहत आज से 15 अगस्त तक हमे हर घर तिरंगा अभियान को पूरा करना है । उन्होंने कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या की प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस निष्ठा ,समर्पण के साथ वह लगातार कार्य कर रही हैं वह काबिले तारीफ है।इस अवसर पर कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ ही बड़ी संख्या में पार्टी के कार्यकर्ता, मातृशक्ति व युवा उपस्थित रहे।

शादाब शम्स के नेतृत्व में तिरंगा रैली में उमडा रुड़की का अल्पसंख्यक समुदाय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड भाजपा के सीनियर लीडर और अल्पसंख्यम समुदाय की पैरवी करने वाले बड़े नेता शादाब शम्स के अगुवाई में तिरंगा यात्रा निकाली गयी। आपको बता दें कि अंग्रेज़ी सरकार के खिलाफ 1857 तहरीक ऐ रेशमी रूमाल का हैंड क्वार्टर रहे रहमानियाँ मदरसा रुड़की भी आज़ादी के अमृत महोत्सव जश्न मनाया गया। रुड़की हरिद्वार में देश के प्रधानमंत्री मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री धामी के आवाहन पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व अल्पसंखयक नेता शादाब शम्स पहुंचे और रहमानिया मदरसा के मोहतमिम मौलाना अरशद अहमद क़ासमी दर्जनों मुस्लिम धर्मगुरु व मुस्लिम तलबाओं ने इस जोश और ज़ज़्बे से भरे तिरंगा यात्रा का हिस्सा बने जिसमें भारत माता की जय, माँ वतन हिन्दोस्तान ज़िन्दाबाद के नारे लगाए गए

रुड़की बाज़ार में सैंकड़ों की संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई ।इस अवसर पर भाजपा अ मो के जिला अध्यक्ष बहरोज़ आलम, प्रदेश महामंत्री गुलफाम शेख़, व ज़िला पदाधिकारी हाजी मुस्तकीम, शमशाद अली,जमील अहमद , अनजुम गौड, वसीम आदी उपस्थित रहे

संपादकीय

खेती पर असर

देश के कई हिस्सों में कमजोर मानसून के कारण खरीफ फसलों की कम बुवाई हुई है. केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने जानकारी दी है कि पांच अगस्त तक 274.30 लाख हेक्टेयर में खरीफ की बुवाई हुई है, जो पिछले साल इसी अवधि में हुई बुवाई से 13 प्रतिशत कम है. इस कमी का एक चिंताजनक पहलू यह है कि यह गिरावट उन राज्यों में आयी है, जो चावल का सबसे अधिक उत्पादन करते हैं. इनमें पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना शामिल हैं. उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के शुरू में जाड़े के मौसम में तापमान ऐतिहासिक रूप से अधिक रहने के कारण गेहूं का उत्पादन कम हुआ है. अब चावल का उत्पादन घटने की चिंता पैदा हो गयी है. यह प्रभाव जलवायु परिवर्तन का सीधा परिणाम है. एक ओर देश में कुछ जगहों पर अपेक्षित मात्रा में बारिश नहीं हो रही है, वहीं अनेक स्थानों पर अतिवृष्टि हो रही है. बादल फटने, अचानक बहुत अधिक पानी बरसने तथा भूजल के स्तर में गिरावट जैसे कारक भी खेती को प्रभावित कर रहे हैं. कई महीनों से अनाज समेत कई चीजों के दाम लगातार बढ़े हैं और आगामी महीनों में मुद्रास्फीति से राहत की उम्मीद भी नहीं है. पहले माना जा रहा था कि अच्छा मानसून महंगाई की रोकथाम में सहायक होगा, लेकिन अब ऐसा होने की संभावना क्षीण हो गयी है. मुद्रास्फीति का एक बड़ा कारण रूस-यूक्रेन युद्ध और आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध है. दुनिया के कई हिस्सों में अनाज न केवल बहुत महंगा है, बल्कि अनेक देशों में खाद्य संकट की आशंका भी गहराती जा रही है. हमारे देश की खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए ही मई में गेहूं के निर्यात पर रोक लगायी गयी थी. यदि चावल के उत्पादन में भी कमी आयेगी, तो यह रोक चावल पर भी लगानी पड़ सकती है. हमारा देश चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है और वैश्विक चावल बाजार में हमारी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है. भारत में उत्पादन घटने से वैश्विक स्तर पर खाद्यान्न की और अधिक कमी हो सकती है. उल्लेखनीय है कि महामारी के दौरान अस्सी करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है. इसके अलावा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत भी राशन मुहैया कराया जा रहा है. बाजार में अनाज की कीमतें नियंत्रण में रहें, इसके लिए भी जरूरी है कि समुचित आपूर्ति बनी रहे. ऐसे में खरीफ की कम बुवाई चिंता का बड़ा कारण है. इससे किसानों की आमदनी पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए मुश्किलें पैदा होंगी. चावल उत्पादक राज्यों में बारिश में कमी औसतन 40 प्रतिशत के आसपास है. फसल पर असर के साथ यह कमी भूजल के स्तर को भी प्रभावित करेगी क्योंकि उनका समुचित रिचार्ज नहीं होगा और साथ ही अधिक दोहन भी होगा. आगामी दिनों में खाद्यान्न को लेकर जो भी स्थिति बने, उससे निपटने की तैयारी अभी से करनी होगी.

दुर्गम इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाएंगे - डा.आर राजेश कुमार , प्रभारी सचिव , स्वास्थ्य

मिशन निदेशक डा.आर राजेश कुमार ने चमोली दौरे में कई निर्देश दिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड के स्वास्थ्य प्रभारी सचिव और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डा.आर राजेश कुमार ने जनपद चमोली में अस्पतालों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीमांत जनपद में स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत बनाने पर जोर दिया।

सीमांत जनपद चमोली के दो दिवसीय दौरे पर पहुँचे प्रभारी सचिव ने पीएचसी गौचर, उप जिला चिकित्सालय कर्णप्रयाग, निर्माणाधीन बेस चिकित्सालय सिमली का निरीक्षण करते हुए स्थानीय लोगों से मुलाकात कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बेस अस्पताल सिमली में का भवन तत्काल विभाग को हस्तांतरित करते हुए आगामी 26 अगस्त से ओपीडी का संचालन शुरू करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिए। इस दौरान उन्होंने अस्पतालों में प्रसवा वार्ड, टीवी मरीजों के चिकित्सा व्यवस्था, ऑक्सीजन प्लांट, टीकाकरण केन्द्रों, एनएचएम के तहत अस्पतालों में लंबित निर्माण कार्यो, आयुष्मान कार्ड आदि चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए मरीजों से उनका हाल पूछा।

मिशन निदेशक डा.आर राजेश कुमार ने अस्पताल में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। प्रभारी सचिव से वार्ता के दौरान क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने उप जिला चिकित्सालय में फिजीशियन, रेडियोलॉजिस्ट, आर्थोपेडिक सर्जन, बाल रोग विशेषज्ञ की तैनाती न होने के समस्या रखी। सिमली में आशा कार्यकत्रियों ने प्रभारी सचिव से मानदेय समित अन्य समस्याओं के निस्तारण की मांग की। देवलीबगड गांव में भोटिया परिवारों से मुलाकात करते हुए प्रभारी सचिव ने आयुष्मान कार्ड सहित तमाम स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

प्रभारी सचिव ने स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने कहा कि हमारा उदेश्य सीमांत एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना है ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य लाभ मिल सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए आधारभूत संरचना विकास, आवश्यक स्वास्थ्य उपकरण एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के लिए शीघ्र प्रस्ताव उपलब्ध करें। इसके अतिरिक्त सीएमओं को सीमांत जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं के विकास के लिए पांच प्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए उसका प्रस्ताव भी उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि एनएचएम के तहत अस्पतालों में लंबित निर्माण कार्यो को शीघ्र पूरा किया जाए। इस दौरान उन्होंने दूरस्थ क्षेत्रों में तत्परता के अपनी सेवाओं देने के लिए सभी चिकित्सकों का हौसला भी बढाया।

सीमांत जनपद भ्रमण के दूसरे दिन शनिवार को प्रभारी सचिव ने जिला अस्पताल का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने आईसीयू, एमरजेन्सी वार्ड, एक्स-रे सेंटर, प्रसूति कक्ष, ऑक्सीजन प्लांट, ब्लड बैंक आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड बैंक के माध्यम से जिला अस्पताल में जल्द ही सिटी स्कैन मशीन की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। साथ ही स्त्री रोग विशेषज्ञ सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अभिषेक त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. राजीव शर्मा, एसीएमओ डा.उमा रावत, एसीएमओ डा. एमएस खाती सहित स्वास्थ्य विभाग के तमामा चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित थे।

75 व्यंजनों को तिरंगे में समेट कर आईएचएम के स्टूडेंट्स ने किया शानदार प्रदर्शन : सतपाल महाराज

75वें स्वतंत्रता दिवस पर आई० एच० एम० ने बनाये तीन रंगो से निर्मित 75 प्रकार के व्यंजन

विशेष रिपोर्ट - आशीष तिवारी
न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून , प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आई० एच० एम० में शैफ कम्पीटीशन, मॉकटेल कॉम्पिटिशन तथा हाउस कीपिंग कम्पीटीशन के प्रतियोगियों को पुरस्कृत करने के साथ-साथ राष्ट्र ध्वज के तीन रंगों की रंगोली तथा तीन रंगो से निर्मित 75 प्रकार के व्यंजनों का अवलोकन किया।

प्रदेश के पर्यटन, पंचायती राज, ग्रामीण निर्माण, लोक निर्माण, सिंचाई, जलागम धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर पर्यटन विकास परिषद के गढ़ी कैंट स्थित आई० एच० एम० में वहाँ के छात्र-छात्राओं और कर्मचारियों द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव पर राष्ट्र ध्वज के तीन रंगों की रंगोली तथा तीन रंगो से निर्मित 75 प्रकार के व्यंजनों का अवलोकन करने के साथ-साथ सैफ कम्पीटीशन, मॉकटेल कॉम्पिटिशन तथा हाउस कीपिंग प्रतियोगिता के प्रतियोगी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आई० एच० एम० के छात्र-छात्राओं संस्थान के प्रधानाचार्य, शिक्षकों और सभी कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आजादी के 75वें वर्ष में अपने सांस्कृतिक और गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ₹हर घर तिरंगा अभियान₹ की 13 अगस्त से शुरुआत की है। इसी के तहत आई० एच० एम० संस्थान के द्वारा भी विशेष प्रदर्शन, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

मंत्री महाराज ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इस बात की ख़ुशी है कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आई० एच० एम० संस्थान 13 से 15 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहा है। इसी के तहत कुछ प्रतियोगिताएं जैसे शैफ कम्पीटीशन, मॉकटेल कम्पीटेशन तथा हाउस कीपिंग कम्पीटीशन आयोजित करने के अलावा 14 एवं 15 अगस्त को सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जायेंगी।

उन्होने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव और 75वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आई० एच० एम० के मुख्य आकर्षण राष्ट्र ध्वज के तीन रंगों की रंगोली तथा तीन रंगो से निर्मित 75 प्रकार के व्यंजन रहे हैं। इन व्यंजनों में सैंडविच, समोसे, इडली, केक, बिस्कुट, पिजा, मॉकटेल, चाउमिन, रायता, वैजपुलाओ, मुजकेक, मोमो, घेवर, स्प्रिंग रोल, ढोकला, फिरनी, खीर, पोहा, पास्ता, फूट सलाद, हरा सलाद, बेक्ड वेजिटेबल, चॉकलेट, इक्लेयर्स, स्विस रोल, नारियल लड्डू रसगुल्ला, गुलाब जामुन, बर्फी, श्रीखण्ड आदि का प्रदर्शन यहां अध्ययन कर रहे छात्र-छात्राओं की मेहनत और राष्ट्र के प्रति समर्पण के भाव को प्रदर्शित करता है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने इस अवसर पर आई० एच० एम० में आयोजित शेफ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सुशांक पुंडीर और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले आशीष पंत, बेकरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दीपक बिनवाल व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सुशांत उनियाल, मॉकटेल प्रतियोगिता प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले फैसल खान, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले अक्षत मल्होत्रा, जबकि कक्ष डिवीजन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली निधि और सेलेस्टिन के अलावा द्वितीय स्थान पर रहे तनिश पांडे, शिवालिक राणा, नवनीत राजेंद्रन और निहारिका अग्रवाल को सम्मानित करने के साथ-साथ पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम में आई० एच० एम० संस्थान प्राचार्य डॉक्टर जगदीप खन्ना सहित अनेक छात्र-छात्राएं और संस्थान के कर्मचारी भी उपस्थित थे।

सेहत की बात : जानिए बार-बार सीने में दर्द के कारण और बरतें सावधानी

फ़िरोज़ आलम गाँधी की रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

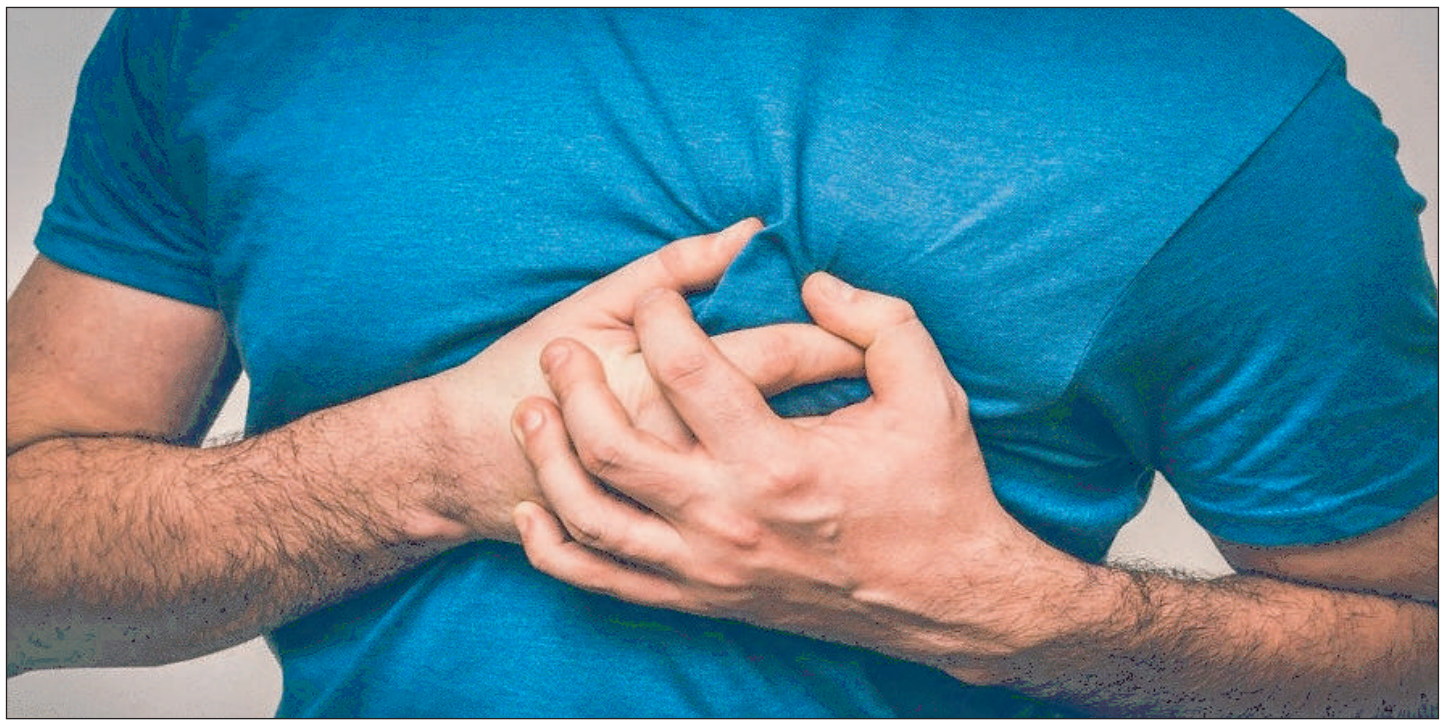

शारीरिक अंगों में दर्द कई तरह के होते हैं जैसे तेज, कम, तुरंत ठीक हो जाना या बार-बार दर्द शुरू हो जाना। अगर दर्द की समस्या कभी-कभार हो तो कोई बात नहीं, लेकिन यही दर्द बार-बार सताने लगे तो सोचिए परेशानी कितनी बढ़ जाती है। वहीं अगर चेस्ट पेन की हो तो व्यक्ति और ज्यादा परेशान हो जाता है। आज बार-बार सीने में दर्द के कारणों को समझेंगे, जिससे कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ को दर्द से दूर रखने में मदद मिल सके।

चेस्ट पेन यानी सीने में दर्द एक ऐसी समस्या है, जिसे लोग प्रायः एसिडिटी की समस्या समझकर इग्नोर भी कर देते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं बार-बार सीने में दर्द की समस्या को इग्नोर नहीं करना चाहिए। बार-बार सीने में दर्द कई तरह की शारीरिक परेशानियों की ओर इशारा करती है। इसलिए अगर सतर्कता ना बरती जाए तो अनजाने में कोई गंभीर बीमारी शरीर में कब अपना ठिकाना ढूंढ़ ले यह कहना मुश्किल है। हम इस आर्टिकल में बार-बार सीने में दर्द के कारण को समझेंगे जिससे गंभीर या सामान्य किसी तरह की बीमारी से बचने में मदद मिल सके। बतायेंगे कि क्या वजह हो सकती है सीने में होने वाले दर्द की -

बार-बार चेस्ट पेन की समस्या सिर्फ चेस्ट ही नहीं, बल्कि अन्य बॉडी ऑर्गन जैसे लंग्स एवं डायजेस्टिव सिस्टम से जुड़ी परेशानियों के कारण हो सकती है। यहां बार-बार सीने में दर्द का अर्थ है कुछ देर के लिए सीने में दर्द होना और फिर ठीक हो जाना। यही प्रक्रिया दुहराती रहती है। यह ध्यान रखें कि ऐसा तुरंत-तुरंत होने के साथ-साथ कुछ अंतराल पर भी हो सकता है। इसलिए यहां बार-बार चेस्ट पेन के कारण को एक-एक कर समझने की कोशिश करते हैं। जैसेः

हार्ट अटैक (Heart attack)- हार्ट के टिशू में जब ब्लड फ्लो ब्लॉक होने लगता है, तो ऐसी स्थिति में सीने में दर्द की समस्या शुरू हो सकती है। रुक-रुक कर सीने में दर्द महसूस किया जा सकता है। ऐसा सीने में प्लाक (Plaque) या ब्लड क्लॉट (Blood clot) बनने की वजह से हो सकता है। इस दौरान व्यक्ति बार-बार सीने में दर्द महसूस करने के साथ-साथ बेचैनी भी महसूस हो सकती है।

एनजाइना (Angina)- एनजाइना, यह एक ऐसी स्थिति होती है जब हार्ट के टिशू आवश्यक ब्लड की पूर्ति नहीं हो पाती है। यह हार्ट डिजीज का सबसे सामान्य लक्षण है या यह हार्ट अटैक की ओर भी इशारा कर सकता है। वैसे एनजाइना की स्थिति तब ही शुरू हो सकता है जब आप बहुत ज्यादा मेहनत करते हैं। अगर एनजाइना की समस्या होती है, तो ऐसे में व्यक्ति को बार-बार सीने में दर्द, बाहों एवं पीठ में भी दर्द की समस्या शुरू हो जाती है।

पेरिकार्डिटिस (Pericarditis)- हार्ट के आसपास की टिशू में सूजन की समस्या को मेडिकल टर्म में पेरिकार्डिटिस कहते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जैसे इंफेक्शन (Infection), ऑटोइम्यून कंडीशन (Autoimmune condition) या हार्ट अटैक (Heart attack)। पेरिकार्डिटिस की स्थिति में लेटने के दौरान या सांस लेने पर भी तकलीफ महसूस होती है। वहीं ऐसी स्थिति में बार-बार सीने में दर्द (Frequent chest pain) भी महसूस किया जा सकता है।

गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज (Gastroesophageal reflux disease [GERD])- गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज डायजेस्टिव सिस्टम (Digestive System) से जुड़ी एक ऐसी समस्या है, जिसमें स्टमक एसिड (Stomach acid) एसोफेगस (Esophagus) में पहुंच जाता है, जिसकी वजह से सीने में जलन (Heartburn), बेचैनी (Discomfort) या कुछ केसेस में सीने में दर्द (Chest pain) की समस्या को भी दावत दे देते हैं। खाने या लेटने के दौरान पेशेंट की परेशानी और ज्यादा बढ़ सकती है।

पेट का अल्सर (Stomach ulcers)- पेट में अल्सर की समस्या बैक्टीरियल इंफेक्शन (Bacterial infection) या नॉनस्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (Nonsteroidal anti-inflammatory drugs) के सेवन कारण हो सकती है। पेट में अल्सर की समस्या होने के कारण व्यक्ति के ब्रेस्टबोन (Breastbone) एवं बेली बटन (Belly button) के बीच कहीं भी दर्द की समस्या हो सकती है। दर्द की समस्या कुछ खाने या खाली पेट रहने, दोनों ही स्थितियों में हो सकती है। वहीं अल्सर के कारण बार-बार चेस्ट पेन की समस्या भी पैदा हो सकती है।

इंजुरी या स्ट्रेन (Injury or strain)- किसी एक्सीडेंट की वजह से इंजरी हो सकती है और एक्सरसाइज करने के दौरान या मसल एक्टिविटी के दौरान मसल पुल हो सकती है। ऐसी स्थिति भी दर्द का कारण बन सकती है।

निमोनिया (Pneumonia)- लंग्स से जुड़ी हुई समस्या निमोनिया का मुख्य कारण इंफेक्शन है। निमोनिया की वजह से बुखार (Fever) आना, ठंड (Chills) लगने की समस्या, सांस लेने में तकलीफ (Shortness of breath) या बार-बार सीने में पेन की समस्या हो सकती है।

प्लूरिसी (Pleurisy)- लंग्स की लाइन एवं चेस्ट की कैविटी में सूजन की समस्या को प्लूरिसी कहते हैं। प्लूरिसी के कई कारण माने गयें हैं जैसे इंफेक्शन (Infections), ऑटोइम्यून कंडीशन (Autoimmune conditions) या कैंसर (Cancer)। गहरी सांस लेने, खांसने या छींकने के दौरान चेस्ट पेन महसूस होती है।

गॉल्स्टोन (Gallstones)- जिन लोगों में गॉलब्लेडर की समस्या होती है, तो उन लोगों में बार-बार सीने में दर्द (Frequent Chest pain) की समस्या हो सकती है। वैसे तो गॉल्स्टोन की वजह से या इसके शुरुआती दौर में पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द महसूस किया जाता है, लेकिन धीरे-धीरे यही दर्द कंधे (Shoulders) या ब्रेस्टबोन (Breastbone) तक भी फैल जाती है।

पैनिक अटैक (Panic attack)- पैनिक अटैक बिना कारण या किसी तनावपूर्ण या भयावह घटना के कारण हो सकता है। पैनिक अटैक से पीड़ित लोगों को सीने में दर्द की समस्या हो सकती है, जिसके कारण गलती से दिल का दौरा (Heart attack) पड़ सकता है।

सीने में दर्द से बचाव कैसे संभव है ?

सीने का दर्द कर रहा है परेशान तो डॉक्टर से कंसल्टेशन के साथ-साथ निम्नलिखित टिप्स भी फॉलो किये जा सकते हैं। जैसेः----

रोजाना हेल्दी डाइट फॉलो करें।शरीर का वजन संतुलित बनाए रखें।तनाव से बचें।नियमित एक्सरसाइज करें और जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज ना करें।अल्कोहल का सेवन कम से कम करें या ना करें।स्मोकिंग ना करें।स्पाइसी एंड एसिडिक फूड का सेवन ना करें।समय-समय पर वॉक

देहरादून में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले, आंकड़ा बढ़कर 626

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कोरोना से हमारी जंग अभी खत्म नहीं हुई है। राज्य में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं जिससे आप सभी को चिंतित होने की जरूरत है. उत्तराखंड में कोरोना के 177 नए मामले मिले हैं, पिछले कुछ दिनों में कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है. उत्तराखंड में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 1220 है, जिनमें से देहरादून में सबसे अधिक 626 मामले हैं, इसके बाद नैनीताल में 165 और हरिद्वार में 85 सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटे में निजी और सरकारी लैब से 1703 सैंपल की जांच रिपोर्ट मिली है. इनमें से 1526 सैंपल की रिपोर्ट निगेटिव आई है। जबकि दो गुना से ज्यादा 396 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, संक्रमण दर 10.39 प्रतिशत हो गई है।

देहरादून में सबसे ज्यादा 84 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसके अलावा नैनीताल में 24, रुद्रप्रयाग में 16, हरिद्वार में 14, ऊधमसिंह नगर व पौड़ी में 12, टिहरी में पांच, पिथौरागढ़ में चार, अल्मोड़ा व बागेश्वर में दो-दो, चमोली व उत्तरकाशी में एक-एक व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाए गए है। चंपावत में कोरोना का कोई नया मामला नहीं मिला। इधर, विभिन्न जिलों से 1650 सैंपल कोरोना जांच के लिए भेजे गए थे. इस साल राज्य में कोरोना के 1,00,835 मामले सामने आए हैं। इनमें से 95,720 (94.93 फीसदी) लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। इस साल कोरोना से 307 मरीजों की मौत भी हो चुकी है. ख़ुशी की बात तो ये है की उत्तराखंड में ऐसे भी ज़िले है जहाँ कोई नया मामला नहीं मिला। आपको बता दे चंपावत में कोरोना का कोई नया मामला नहीं मिला। इधर, विभिन्न जिलों से 1650 सैंपल कोरोना जांच के लिए भेजे गए थे. इस साल राज्य में कोरोना के 1,00,835 मामले सामने आए हैं। इनमें से 95,720 (94.93 फीसदी) लोग कोरोना को मात दे चुके हैं। इस साल कोरोना से 307 मरीजों की मौत भी हो चुकी है.

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा